मशीन की कढ़ाई

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. मशीन कढ़ाई कला का परिचय, इसकी उपयोगिता तथा इससे लाभ। इस कला की उत्पत्ति, इसका इतिहास तथा प्रचलन। व्यवसायिक दृष्टिकोण से लाभ।

२. मशीन कढ़ाई करने के लिए मशीन की जानकारी, सफाई तथा हिफाजत। मशीन कढ़ाई करने के लिए मशीन के पुर्जों में परिवर्तन, सभी पुर्जों की जानकारी तथा उनकी उपयोगिता, टेनशन का महत्व, आवश्यक पुर्जे - जैसे प्लेट, फ्रेम, रेगुलेटिंग स्क्रु, टेनसन स्प्रिंग, प्रेशर फुट, बॉबीन केस, इत्यादि को रखने की स्थिति का ज्ञान। मशीन ठीक नहीं रहने पर मशीन कढ़ाई में खराबी, उसे ठीक करने का उपाय।

३. मशीन कढ़ाई के काम में आने वाले धागे - सिल्कन तथा सूती - के बारे में जानकारी, उनका वर्गीकरण, उनकी विलक्षणता। बॉबीन में भरने वाला धागा, कोड, कलावस्तु (सुनहला एवं अवहला धागा) तथा कढ़ाई के संदर्भ में उनकी जानकारी, उनकी विशेषता।

४. कढ़ाई के आधार, कपड़ों की जानकारी, उनके व्यवसायिक नाम, उनकी रचना और उसका प्रभाव, उनका चुनाव। विभिन्न चीजों के लिए कपड़े, उसके प्रकार (क्वॉलिटी) तथा रंगों का चुनाव। कपड़े तथा कढ़ाई की इकाइयों का सामंजस्य।

५. मशीन कढ़ाई कला के काम में आने वाले उरकरणों का परिचय, उनका वर्णन, उनका कार्य तथा प्रयोग, उनकी हिफाजत।

६. नमूने को डिजाईन करने की कला, ड्राइंग के ज्ञान की आवश्यकता तथा इससे लाभ, नमूना ट्रेस करना, ट्रेस करने की विधियां एवं उसकी सहायक सामग्री। कढ़ाई के अनुरूप उनके चुनाव का ज्ञान। साधारण एवं कटिंग नमूने, बड़े एवं छोटे नमूने। पोशाक के अनुरूप नमूने को बड़ा एवं छोटा करना। विभिन्न प्रकार के पत्ते, फूल, प्राकृतिक दृश्य, कोने के नमूने तथा बीच के नमूने के बारे में जानकारी।

७. विभिन्न पोशाकों पर कढ़ाई करने का नियम। कढ़ाई कला में रंगों का उपयुक्त चुनाव एवं मिलान का ज्ञान। कपड़े के रंग के अनुरूप धागे के रंगों का मिलान एवं इस ज्ञान की उपयोगिता। नमूने, धागे के रंग तथा कपड़ा - तीनों के उचित चुनाव का संमिश्रण।

८. मशीन कढ़ाई करते समय ध्यान देने योग्य आवश्यक बातें। सूई तथा धागा टूटने का कारण तथा उन्हें ठीक करने का उपाय। सूई तथा धागा टूटने का कारण तथा उसे ठीक करने का उपाय। मशीन कढ़ाई के काम में आने वाली सूईयों के प्रकार और उनका उपयोग। मशीन कपड़े पर कढ़ाई करने का नियम एवं उनमें सूईयों का प्रयोग।

९. मशीन कढ़ाई तथा हाथ कढ़ाई में अन्तर। दोनों की तुलनात्मक विवेचना।

१०. वस्त्रों पर लगे विभिन्न दाग छुड़ाने के नियम। कढ़ी हुई चीजों को धोने तथा लोहा करने की विधि।

११. मशीन कढ़ाई के सभी स्टिचों, सलमा सितारा, सीप, मोती तथा कलावस्तु की कढ़ाई का वर्णन (टिप्पणी) तथा उनका उचित प्रयोग।

१२. मूल्य निर्धारण करना। तैयार सामान के बाजार भाव के अनुसार बिक्री मूल्य निर्धारण करना।

मशीन की कढ़ाई

क्रियात्मक

१. ड्रॉईंग करना तथा कपड़े पर ट्रेस करना, विभिन्न टाकों से बॉर्डर बनाना।

२. मशीन कढ़ाई के निम्नलिखित टांके का प्रयोगात्मक कार्य -

रनिंग स्टिच, लौंग एण्ड शौर्ट स्टिच, शेडेड इम्ब्रॉयडरी, आइलेट होल, ओपेन वर्क, कई प्रकार के हेम स्टिच, कई प्रकार की कोडिंग, सैटिन स्टिच तथा रेजड सैटिन स्टिच, ड्रॉनथ्रेड वर्क, कट वर्क, लेटर्स तथा मोनोग्राम, बटन होल स्टिच, फैन्सी स्टिच, फैन्सी कट-वर्क, इंगलिश लेस (कई प्रकार के), बटन वर्क इम्ब्रॉयडरी, पैच वर्क, एपलिक वर्क, वेलवेट एपलिक वर्क, नेट पर एपलिक, नेट अरगन्डी वर्क, स्पौटेड (काली वाली) स्टिच, शैडो वर्क, बीड (मोती) वर्क, लच्छी स्टिच, ऊन स्टिच, रिबन स्टिच, डी.एम.सी. (पीकग्रेड) इम्ब्रॉयडरी, नेट पर कढ़ाई, क्रॉस तथा डबल क्रॉस स्टिच, कलावस्तु (अपहला तथा सुनहला धागा) से कढ़ाई, शीशा तथा सलमा लगाना, पशु-पक्षी एवं प्राकृतिक दृश्य का फोटो बनाना।

३. विभिन्न प्रकार के फूल, पत्ती, संख्या, वर्णमाला तथा मोनोग्राम बनाना।

४. सुन्दर डिजाईन के गोल, तिकोने तथा चौकोर नमूने को उपर्युक्त स्टिचों से बनाना तथा ऊनमें धागे के रंग का उचित संमिश्रण करना।

उत्पादन कार्य - (सुन्दर एवं उपयुक्त स्टिचों द्वारा बनाये जायेंगे)

१. तकिया खोल, चादर, बेड कवर, परदा, टेबुल क्लॉथ, ट्रे क्लॉथ, टेबुल मैट, टिकोजी, नैपकिन्स, ट्रे कवर, रेडियो कवर, जग तथा जार कवर, ड्रेसिंग टेबुल सेट्स, स्टूल कवर पर कढ़ाई।

२. सोफा सेट, चेयर कवर, चेयर बैक, कुशन कवर, अंगीठी पोश, डाइनिंग टेबुल-क्लॉथ पर कढ़ाई।

३. रूमाल, बिब, बच्चों का एप्रन, बेबी फ्रॉक, बाबा सूट, गर्ल्स फ्रॉक, स्लैक्स पर उपयुक्त स्टिचों से कढ़ाई।

४. पेटीकोट, साड़ी, ब्लाउज पीस, दुप्ट्टा, जनानी कमीज पर सुन्दर स्टिच द्वारा कढ़ाई। साड़ी का बॉर्डर बनाना।

५. बटुआ तथा लेडीज पर्स, मफलर तथा शॉल पर कढ़ाई।

हाथ की कढ़ाई

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. हाथ कढ़ाई कला का परिचय, इसकी उपयोगिता तथा इससे लाभ। इससे घर की सजावट का महत्व। प्राचीन कढ़ाई कला एवं आधुनिक कढ़ाई कला में अंतर।

२. कढ़ाई कला के काम में आनेवाले धागों - सिल्कन, सूती, क्रैचेट के धागों, लच्छियां तथा शिफॉन धागे, ईत्यादि के बारे में जानकारी, उनका वर्गीकरण, उनकी विलक्षणता तथा उनका प्रयोग। कलावस्तु (अपहला) तथा कढ़ाई के ऊन की जानकारी एवं उनका प्रयोग।

३. कढ़ाई कला के काम में आनेवाले उपकरणों का वर्णन, उनका कार्य तथा प्रयोग, उनकी हिफाजत। कढ़ाई कला के काम में आनेवाली सुईयों के प्रकार तथा उनका प्रयोग।

४. कढ़ाई के आधार - कपड़ों की जानकारी, उनके व्यवसायिक नाम, उनकी रचना और उसका प्रभाव, उनका चुनाव। विभिन्न चीजों के लिए कपड़े, उसके प्रकार (क्वालिटी) तथा रंगों का चुनाव। कपड़े तथा पैटर्न के इकाईयों का सामंजस्य।

५. नमूने की डिजाईन ड्रॉईंग करने की कला एवं नमूना ड्रेस करना। ड्रेस करने की विधियां एवं आवश्यक सामग्री। कढ़ाई के नमूने, पोशाक के अनुसार उनके चुनाव का ज्ञान। साधारण एवं कठिन नमूने, बड़े एवं छोटे नमूने। पोशाक के अनुरूप नमूने को बड़ा एवं छोटा करना। कढ़ाई कला के शिक्षार्थियों को ड्रॉईंग की आवश्यकता तथा इस ज्ञान से लाभ।

६. विभिन्न प्रकार के पत्ते, फूल, प्राकृतिक दृश्य, कोने के नमूने, गोल नमूने, बॉर्डर के नमूने के बारे में जानकारी तथा प्रयोग। विभिन्न चीजों एवं पोशाकों पर कढ़ाई करने का नियम तथा कढ़ाई करते समय ध्यान देने योग्य बातें।

७. कढ़ाई कला में रंगों का चुनाव एवं मिलान का ज्ञान। कपड़े के रंग के अनुरूप धागों के रंगों का मिलान, इस ज्ञान से लाभ। नमूने, धागे के रंग तथा कपड़ा - तीनों के उचित चुनाव का मिश्रण।

८. काश्मीर की काश्मीरी कढ़ाई, लखनउ के चिकन वर्क, सिन्ध की सिन्धी कढ़ाई, राजस्थान का एपलिक वर्क तथा बंगाल के ढाका एवं काथा स्टिच की विशेषता, प्रचलन तथा लोकप्रियता।

९. वस्त्रों पर लगे विभिन्न दाग छुड़ाने के नियम। कढ़ी हुई चीजों को धोने तथा लोहा करने की विधि।

१०. हाथ कढ़ाई के सभी स्टिचों, सलमा सितार, सीप, मोती तथा कलावत्तु की कढ़ाई का वर्णन (टिप्पणी) तथा उनका उचित प्रयोग।

११. मूल्य निर्धारण करना। तैयार सामान के बाजार भाव के अनुसार बिक्री मूल्य निर्धारण करना।

हाथ की कढ़ाई

क्रियात्मक

१. ड्रॉईंग करना तथा कपड़े पर ट्रेस करना, विभिन्न टाकों से बॉर्डर बनाना।

२. हाथ कढ़ाई के निम्नलिखित टांके का प्रयोगात्मक कार्य -

रनिंग स्टिच तथा बैक स्टिच, उनमें डिजाईन, स्टेप स्टिच (उल्टी बखिया), सैटिन स्टिच, लौंग एण्ड शौर्ट स्टिच, हालवीन स्टिच, स्पाईडर तथा डबल स्पाईडर स्टिच, फ्लाई तथा वाई स्टिच, फिश बोन स्टिच, हेरिंग बोन तथा डबल हेरिंग बोन स्टिच, फेदर तथा डबल फेदर स्टिच, लूप स्टिच, चेन तथा डबल चेन स्टिच, मैजिक चेन तथा कई प्रकार के चेन स्टिच जैसे इसप्लिट चेन, ओपेन चेन, डिसटेंट चेन, रोजडी चेन, जिग-जैग चेन, फेदर चेन, केबल चेन, इत्यादि, लेजी-डेजी स्टिच, फ्रेंच नोट तथा फ्रेंच-फ्लावर स्टिच, धनियां तथा जो स्टिच, काउचिन, आइलेट होल स्टिच, अमानियन स्टिच, चोप स्टिच, स्नेल तथा डबल स्नेल स्टिच, काश्मीरी स्टिच, सिन्धी कढ़ाई, चिकन वर्क, ढ़ाका तथा काथा स्टिच, ब्लैंकेट तथा बटन होल स्टिच, पिलो, एजिंग तथा डबल एजिंग, क्रॉस तथा डबल क्रॉस स्टिच, शेप स्टिच, बुलिदन स्टिच, शैडो वर्क, कट वर्क, नेट वर्क, हेम स्टिच, लच्छी, ऊन तथा रिबन स्टिच, सलमा सितारा तथा सीप का काम, कलावस्तु तथा मोती का काम, टाई का काम, मोनोग्राम, कीप स्टिच तथा मन्दिर स्टिच, इत्यादि।

३. विभिन्न प्रकार के फूल, पत्ती, पशु पक्षी, प्राकृतिक दृश्य, सुन्दर डिजाईन के गोल, तिकोने तथा चौकोर नमूने को उपर्युक्त स्टिचों से बनाना तथा ऊनमें धागे के रंग का उचित संमिश्रण करना।

४. हैनिकम तथा स्मोकिंग (कई एक स्टिच द्वारा) सीसा लगाना।

५. ड्रानथ्रेड वर्क (तारकशी का काम), एपलिक वर्क तथा पैच वर्क।

उत्पादन कार्य - (सुन्दर एवं उपयुक्त स्टिचों द्वारा बनाये जायेंगे)

१. तकिया खोल, चादर, बेड कवर, परदा, टेबुल क्लॉथ, ट्रे क्लॉथ, टेबुल मैट, टिकोजी, नैपकिन्स, ट्रे कवर, रेडियो कवर, जग तथा जार का कवर, ड्रेसिंग टेबुल सेट्स, स्टूल कवर पर कढ़ाई।

२. सोफा सेट, चेयर कवर, चेयर बैक, कुशन कवर, अंगीठी पोश, डाइनिंग टेबुल-क्लॉथ पर कढ़ाई।

३. रुमाल, बिब, बच्चों का एप्रन, बेबी फ्रॉक, बाबा सूट, गर्ल्स फ्रॉक, स्लैक्स पर उपयुक्त स्टिचों से कढ़ाई।

४. पेटीकोट, साड़ी, ब्लाउज पीस, दुप्ट्टा, जनानी कमीज पर सुन्दर स्टिच कढ़ाई।

५. बटुआ तथा लेडीज पर्स, मफलर तथा शॉल पर कढ़ाई।